MINISTÈRE
DE L'EUROPE
ET DES AFFAIRES
ÉTRANGÈRES
Liberté
Égalité
Fraternité

DIRECTION GENERALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Bureau des concours et examens professionnels

CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCÈS A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGÈRES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNÉE 2024

ÉPREUVES ÉCRITES D'ADMISSIBILITÉ

Jeudi 21 septembre 2023

HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures
Coefficient : 2
Toute note globale inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire
Dictionnaire autorisé
Barème de notation : composition en hindi 12 points ; traduction en français 8 points

COMPOSITION EN HINDI

Composition en hindi à partir d'une question, rédigée dans cette même langue, liée à l'actualité
(350 mots avec une tolérance de plus ou moins 10%)

SUJET :

क्या भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है?

MINISTÈRE
DE L'EUROPE
ET DES AFFAIRES
ÉTRANGÈRES
Liberté
Égalité
Fraternité

DIRECTION GENERALE DE L'ADMINISTRATION
ET DE LA MODERNISATION

DIRECTION DES RESSOURCES HUMAINES

Bureau des concours et examens professionnels

CONCOURS EXTERNE ET INTERNE POUR L'ACCÈS A L'EMPLOI DE SECRETAIRE DES AFFAIRES ETRANGÈRES (CADRE D'ORIENT) AU TITRE DE L'ANNÉE 2024

ÉPREUVES ÉCRITES D'ADMISSIBILITÉ

Jeudi 21 septembre 2023

HINDI

Durée totale de l'épreuve : 3 heures
Coefficient : 2
Toute note globale inférieure à 10 sur 20 est éliminatoire
Dictionnaire autorisé
Barème de notation : composition en hindi 12 points ; traduction en français 8 points

TRADUCTION EN FRANÇAIS

Traduction en français d'un texte rédigé en hindi

TEXTE AU VERSO

आज़ादी के 75 साल: ग़रीबी तो कम हुई है लेकिन सबसे बड़ी चिंता भी बढ़ी

जी.एस. राममोहन, बीबीसी, 19 अगस्त 2022

आज़ाद भारत के 75 साल पूरे होने पर जो भी विश्लेषण देखने को मिल रहे हैं उनमें से अधिकांश में पिछले तीन दशकों की बात हो रही है। ज़ोर इस बात पर है कि कैसे इस अवधि के दौरान भारत एक बेमिसाल देश बन गया है।

कई लोग याद दिला रहे हैं कि कैसे फ़ोन कनेक्शन के लिए अपने इलाके के सांसद के चक्कर लगाने होते थे, गैस कनेक्शन के लिए महीनों लंबा इंतज़ार करना होता था और अपने परिजनों से बात करने के लिए सार्वजनिक फ़ोन बूथ के बाहर लंबी कतार में घंटों इंतज़ार करना पड़ता था।

1990 के दशक में और उसके बाद पैदा हुए लोग उपरोक्त (ऊपर लिखी हुई) बातों से परिचित न होंगे लेकिन पुरानी पीढ़ियों के लिए यह जीता जागता सच रहा है।

स्कूटर ख़रीदने के लिए भी सालों इंतज़ार करना होता था। वहां से स्थितियां काफ़ी बदल गई हैं। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल, उत्पादों की निरंतर आपूर्ति और लाइसेंस के तौर तरीक़ों में संशोधन से यह बदलाव आया है।

सर्विस सेक्टर और रोज़मर्रा के कामों में एक हद तक व्यक्तिगत आग्रहों या फ़ैसलों को खत्म किया गया था। इससे मध्य वर्ग की रोज़मर्रा की ज़िंदगी काफ़ी आसान हो गई है।

1990 के दशक में आर्थिक सुधार ज़ोरशोर से लागू कर दिए गए और तब से जो रास्ता बना है उसमें कई बदलाव आ चुके हैं जो आज भी स्पष्ट तौर पर नज़र आ रहे हैं।

आर्थिक सुधारों से निकले महत्वपूर्ण बदलाव ये थेः प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में बढ़ोतरी, आपूर्ति व्यवस्था की स्थिति में सुधार और लाइसेंस राज की समाप्ति।

लेकिन इन बदलावों के अलावा और भी ऐसे बुनियादी मुद्दे थे जिन पर चर्चा किए जाने की ज़रूरत है और जो ज़्यादा प्रखर तौर पर (स्पष्ट रूप से) सर्विस सेक्टर में नज़र आने लगे थे। इसे समझने के लिए दो मुख्य प्रक्रियाओं को देखना होगा। एक तरफ़ ग़रीबी कम हो रही है तो दूसरी तरफ़ असमानता बढ़ रही है। इस लिहाज से देखें तो 75 साल में दो अहम बदलाव हुए - ग़रीबी में कमी और असमानता में बढ़त।

(extrait)